दैनिक भास्कर

सुविधा | सुपरफास्ट ट्रेनों का रास्ता साफ करने प्रोजेक्ट में आई तेजी

मंदिरहसौद तक पहुंची दोहरी लाइन, नई राजधानी में मई तक पहुंचेंगी पटरियां

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | रायपुर

रायपुर से वाल्टेयर जाने वाली रेल लाइन का दोहरीकरण का काम तेजी से चल रहा है। रायपुर से महासमुंद और उसके बाद बिशाखापट्टनम तक सिंगल पटरी को डबल किया जाएगा। मंदिरहसौद स्टेशन के पास तक दोहरीकरण हो चुका है। यहां से यह पटरी नई राजधानी के लिए भी जा रही है। इसी के साथ नई राजधानी में यहां से केंद्री तक रेललाइन बिछाने के काम में भी तेजी आई है।

रेलवे नई राजधानी के केंद्री तक 2018 की दूसरी छमाही में रेललाइन का काम पूरा करने के टारगेट पर काम कर रहा है। काम की तेजी देख रेल अफसरों ने उम्मीद जताई है कि पटरियां मई-2018 तक बिछा ली जाएंगी। इसीलिए रेलवे ने मंदिरहसौद से 20 किमी दूर इस लाइन के अंतिम छोर यानी केंद्री में स्टेशन का काम भी शुरू कर दिया गया। नजदीक ही रेलवे का ऑयल डिपो भी बन गया है, जहां से यह रेललाइन गुजरेगी। लोकसभा चुनाव से पहले नई रेल बिछने के बाद नई राजधानी से ट्रेनों की भी शुरुआत करने की तैयारी है। दरअसल भविष्य में देश के कई शहरों के लिए सुपरफास्ट ट्रेनें चलाने पर अभी से विचार चल रहा है। इस संबंध में राज्य सरकार ने रेल मंत्रालय को प्रस्ताव भी भेजा है।

कोचिंग टर्मिनल पर बात फंसी

रेलवे ने मंदिरहसौद से केंद्री तक रेललाइन बिछाने का काम तो तेज किया ही है, लेकिन यहां कोचिंग टर्मिनल के बिना ट्रेनों को चलाना संभव नहीं है। हालांकि कोचिंग टर्मिनल बनाने की दिशा में तैयारी चल रही है, लेकिन इस पर अंतिम मुहर बाकी है। टर्मिनल के लिए नया रायपुर विकास प्राधिकरण पहले ही रेलवे को 40 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव बना चुका है। अब रेलवे की ओर से इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ना है। हालांकि टर्मिनल निर्माण के लिए उच्च स्तर पर सहमति की जरूरत है। जोन व मंडल इसके लिए रेलवे बोर्ड से डिमांड कर सकता है। गौरतलब है कि अभी रायपुर में कोचिंग टर्मिनल नहीं है। इसलिए यहां से एकाध को छोड़कर लंबी दूरी की ट्रेनें शुरू नहीं की गईं। छत्तीसगढ़ की अधिकांश ट्रेनें या तो दुर्ग से शुरू होती हैं या बिलासपुर से छूटती हैं।